



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 198]

नई दिल्ली, शुक्रवार, सितम्बर 6, 2013/भाद्र 15, 1935

No. 198]

NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 6, 2013/BHADRA 15, 1935

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

सार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली, 6 सितम्बर, 2013

सं. 25 (आर.ई. 2013)/2009-2014

विषय : सोने की वस्तुओं की खेप से संबंधित निर्यात दायित्व को पूरा करने की शर्त में छूट ।

फा. सं. 01/94/180/88/एएम11/पीसी-4.—विदेश व्यापार नीति, 2009-2014 के पैराग्राफ 2.4 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महानिदेशक, विदेश व्यापार ने एतद्वारा स्वर्ण आभूषण/सोने की वस्तुओं के निर्यात के मद्दे 20% सोने की खेप (सीमाशुल्क बांड के तहत) के आयात/निर्गम के प्रयोजनार्थ प्रक्रिया पुस्तक, खण्ड-1 के पैरा 4क.8 की कुछ शर्तों में छूट दी है ।

2. पैरा 4क.8 (क) में यह निर्धारित है कि “निर्यात का प्रमाण” क्या हो सकता है तथा इसमें निम्नलिखित तीन विशिष्ट दस्तावेज सूचीबद्ध हैं:

- (i) पोतलदान बिल की ई. पी. प्रति;
- (ii) सीमाशुल्क विभाग द्वारा अनुप्रमाणित बीजक;
- (iii) परिशिष्ट 22क में वसूली का बैंक प्रमाण-पत्र ।

3. जहाँ तक 14-8-2013 के आर.बी.आई. परिपत्र सं. 25 अथवा भारतीय रिजर्व बैंक अथवा वित्त मंत्रालय द्वारा जारी किए गए अन्य संबंधित दिशा-निर्देशों के अनुसार “निर्यात के प्रमाण” का प्रश्न है केवल स्वर्ण आभूषणों के निर्यात और सोने की वस्तुओं के निर्यात के संबंध में उपर्युक्त (iii) में सूचीबद्ध दस्तावेज नामतः “परिशिष्ट 22क में वसूली संबंधी बैंक प्रमाण-पत्र” पर जोर नहीं दिया जाएगा ।

4. अन्य सभी निर्यातों के संबंध में यह पुनः कहा जाता है कि ऊपर सूचीबद्ध सभी 3 दस्तावेजों की आवश्यकता निर्यात का प्रमाण सिद्ध करने हेतु होगी। इसी प्रकार स्वर्ण आभूषण के निर्यात और सोने की वस्तुओं के निर्यात, यदि शुल्क वापसी जैसे निर्यात लाभ का दावा आदि पर विचार किया जाता है, तो परिशिष्ट 22क में दिए गए बैंक प्रमाण-पत्र की आवश्यकता होगी ।

इस सार्वजनिक सूचना का प्रभाव: निर्यातक/आयातक अपने 20% सोने की खेप (सीमाशुल्क बांड) का आयात, वसूली का इंतजार किए बिना कर सकते हैं यदि पैरा 4क.8(क) की अन्य दो अपेक्षाओं को पूरा किया जाता हो ।

अनुप के. पूजारी, महानिदेशक, विदेश व्यापार

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****PUBLIC NOTICE**

New Delhi, the 6th September , 2013

No. 25(RE-2013)/2009-2014**Subject: Relaxation of condition for fulfillment of export obligation in respect of consignments of gold articles.**

F. No. 01/94/180/88/AM11/PC-4.—In exercise of powers conferred under Paragraph 2.4 the Foreign Trade Policy, 2009-2014, the Director General of Foreign Trade hereby relaxes certain conditions of para 4A.8 of HBP v1 for the purpose of import/release of 20% gold consignment (under customs bond) against export of gold jewellery/articles of gold.

2. Para 4A.8 (a) stipulates what may constitute "Proof of Export" and lists three specific documents as under :

- ` (i) E.P. copy of the shipping bill;
- (ii) Customs attested invoice;
- (iii) Bank certificate of realisation in Appendix 22A.

3. Only in respect of export of gold jewellery and export of articles of gold, the document listed at (iii) above, namely "Bank certificate of realisation in Appendix 22A" will not be insisted upon so far as "proof of exports" is required as per RBI Circular No. 25 dated 14.08.2013 or any other related guidelines issued by RBI or Ministry of Finance.

4. It is reiterated that in respect of all other exports, all the 3 documents listed above will continue to be required for establishment of proof of export. Similarly against export of gold jewellery and export of articles of gold, if any claim of export benefit like drawback, etc., is considered then Bank certificate of realisation in Appendix 22A would be required.

Effect of this Public Notice: The exporters/importers can import/get their 20% gold consignment (under customs bond) released without waiting for the realization, if the other two requirements of para 4A.8(a) are satisfied.

ANUP K. PUJARI , Director General of Foreign Trade